No. 50/61/81-S-(I)(C). — In exercise of the powers conferred by sub-section (1)(a) of section 27 of the Punjab Land Revenue Act, 1887 and sub-section (1)(a) of section 105 of the Punjab Tenancy Act, 1887, the Governor of Haryana is pleased to confer upon Shri Chander Singh, HCS, Sub-Divisional Officer (Civil), rerozepur-Jhirka, the powers of a Collector under the said Acts, to hear and determine appeals from the orders and decrees of Assistant Collectors of the 1st and 2nd Grades, such powers to be exercised by the said Shri Chander Singh, HCS, within the limits of the Perozepur-Jhirka Sub-Livision of the Gurgaon District.

No. 50/61/81-S-(I)(D).— Under the provisions of clause (c) of section 3 of the Land Acquisition Act, 1894, the Governor of Haryana is pleased to appoint Shric hander Singh, HCS, Sub-Divisional Officer (Civil), Ferozepur-Jhirka, to perform the functions of a Collector under the said Act within the limits of the Ferozepur-Jhirka Sub-Division of the Gurgaon District.

No. 50/61/81-S-(I)(E).—In exerise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Punjab Restitution of Mortgaged Lands Act, 1938 (Punjab Act IV of 1938), the Governor of Haryana is pleased to invest Shri Chander Singh, HCS, Sub-Divisional Officer (Civil). erozepur Jhirka, with the powers of a Collector for the purpose of the aforesaid Act, such powers to be exercised within the limits of rerozepur-Jhirka Sub-Division of the Gurgaon District.

No. 50/61/81-S-(I)(F).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 2 of the Punjab Occupancy Tenants (Vesting of Proprietary Rights) Act, 1952, the Governor of Haryana is pleased to empower Shri Chander Singh, HCS, Sub-Divisional Officer (Civil), Ferozepur-Jhirka to perform the duties of a Collector under the said Act within the limits of the Ferozepur-Jhirka Sub-1 ivision of the Gurgaon District.

No. 50/61/81-S-(I)(G).— In exercise of the powers conferred by section 3 of the Colonization of Government Lands Act, 1912 (Punjab Act V of 1912), Shrich ander Singh, HCS, Sub-Divisional Officer (Civil), Ferozepur-Jhirka is appointed as a Collector to perform all the functions and exercise all the powers under sections 17, 20(3), 24, 25, 26, 32, 33 and 34 of the said Act within the limits of the Ferozepur-Jhirka Sub-Division of Gurgaon District over the lands to which the said Act applies in respect of all State-owned lands in the Sub-Division under the management of the Public Works Department, Haryana.

NASEEM AHMAD, Jt. Secy.

राजस्व विभाग युद्ध**ागीर** दिनांक 9 जुलाई, 1981

क्षमांक 899-ज(1)-81/23543.—श्री तिलंक राज, पुत्र श्री ज्ञान चन्द, निवासी ग्रम्बाला गहर, जिला ग्रम्बाला, की दिनांक 8 फरवरी, 1978 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रीर ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री तिलंक राज की मृब्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रधिसूचना क्रमांक 501-र-IV-67/1026, दिनांक 11 ग्रंपेल, 1967 तथा ग्रधिसूचना क्रमांक 5041-र-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई थी, ग्रब उस ही विधवा श्रीमती सात्रिज्ञी देवी के नाम खरीफ, 1978 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

दिनांक 13 जुलाई, 1981

कमांक 258-ज-(1)-81/23862.—श्री शंकर, पुत्र श्री पन्ना लाल, गांव बोरिया कमालपुर, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 11 दिसम्बर, 1979, की हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार मिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं  $2(\mathbf{v})(1\mathbf{v})$  तथा  $3(1\mathbf{v})$  के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री शंकर की मुब्लिक 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रधिसूचना क्रमांक 12-शार-(IV)-67/911, दिनांक 1 अश्रेल, 1967 तथा श्रधिसूचना क्रमांक 5041-ग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मिश्री के नाम खरीफ़, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।